गुप्त साम्राज्य के पतन के कारणों पर प्रकाश डाले।
गुप्त साम्राज्य का पतन कई कारणों से हुआ, जिनमें से कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

* अयोग्य उत्तराधिकारी: स्कंदगुप्त के बाद के गुप्त शासक दुर्बल और अयोग्य थे। वे साम्राज्य को संभालने में सक्षम नहीं थे, जिसके कारण साम्राज्य में अराजकता और अस्थिरता फैल गई।
* हूणों का आक्रमण: मध्य एशिया की एक खानाबदोश जनजाति हूणों ने गुप्त साम्राज्य पर बार-बार आक्रमण किए। इन आक्रमणों ने साम्राज्य की अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति को कमजोर कर दिया।
* आंतरिक विद्रोह: साम्राज्य के विभिन्न हिस्सों में विद्रोह और विद्रोह हुए, जिससे साम्राज्य की एकता और स्थिरता को खतरा पैदा हो गया।
* सामंतवाद का उदय: गुप्त साम्राज्य में सामंतवाद का उदय हुआ, जिससे केंद्रीय सत्ता कमजोर हुई और प्रांतीय शासकों की शक्ति बढ़ी।
* आर्थिक संकट: गुप्त साम्राज्य में व्यापार और वाणिज्य में गिरावट आई, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई।

इन सभी कारणों के संयोजन के कारण, गुप्त साम्राज्य धीरे-धीरे कमजोर होता गया और अंततः 6वीं शताब्दी ईस्वी में इसका पतन हो गया।